पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

काम की गुणवत्ता देखने पर दिये गए निधी से समाधान मिलता है -मुख्यमंत्री

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 188 ■ सोमवार, 14 अक्टूबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ANDROID APP ON Google play /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

7 हजार CCTV का पुलिस बनेगी जाल

- अपराधियों के लिए लगाया जाएगा सीसीटीवी का नेटवर्क
- 575 करोड़ 33 लाख रुपये होंगे खर्च

ठाणे. ठाणे पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए नई उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया है. इसके एक हिस्से के रूप में, ठाणे पुलिस आयुक्तालय में एआई टूल सॉफ्टवेयर की नवीनतम तकनीक का उपयोग करके लगभग 7,000 कैमरों का एक नेटवर्क बुना जाएगा। इस पर 575 करोड़ 33 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे. इस नई तकनीक की बदौलत अपराधी की जानकारी चंद सेकेंड में पुलिस को मिल जाएगी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में जो निर्जन स्थान हैं, ऐसे 17 स्थानों पर ये कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही शहर के मॉल्स में लगे कैमरों पर भी इस सिस्टम से नजर रखी जाएगी. ठाणे पुलिस ने राज्य सरकार से 7000 कैमरों की मांग की है

पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे ने बताया कि उनकी मांग मान ली गई है। ठाणे शहर पुलिस क्षेत्र में फिक्स्ड बॉक्स कैमरे, स्वचालित नंबर प्लेट खोज कैमरे, केंद्रीकृत आईपी आधारित सार्वजनिक पता प्रणाली और ड्रोन निगरानी पैन डील जूम कैमरे, रेड लाइट उल्लंघन कैमरे, स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाए जाने वाले हैं।

तुतारी का लॉलीपॉप लेकर लौटे कालानी

शरद पवार के साथ बैठक में जयंत पाटील ने सुनाई खरी-खरी

- पवार से गद्दारी के चलते हो सकते हैं टिकट से वंचित कालानी
- NCP छोड़ने और दोस्ती का गठबंधन पड़ रहा भारी
- क्या तुतारी भी नए चेहरे पर खेलेगी दांव ?

उल्हासनगर. पिछले कई दशकों से कुर्सी पाने के लिए कालानी ने विभिन्न पार्टियों के संरक्षण में चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। शहर विकास को अनदेखा कर कालानी ने अपनी राजनीतिक पैंतरेबाजी से शहरवासियों को गुमराह किया और अपने पार्टी के आकाओं के साथ भी गद्दारी की। 2017 में भाजपा में जाने से पूर्व कालानी ने शरद पवार की राकांपा को महानगरपालिका चुनाव के दौरान बीच मझधार में छोड़ दिया था और आज उसी पार्टी के पीछे टिकट पाने के लिए कतार में खड़े नजर आ रहे हैं।

राकांपा का टिकट पाने के लिए टीओके प्रमुख ओमी कालानी इन दिनों शरद पवार के दरबार के चक्कर काट रहे हैं। सूत्रों से खबर यह भी मिली है कि प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील ने उन्हें खरी-खरी सुनाई है कि जब पार्टी को तुम्हारी आवश्यकता थी तो पूरी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था. इतना ही नहीं भाजपा को छोड़े जाने के बाद राकांपा में वापसी करते हुए भी महायुति के उम्मीदवार श्रीकांत शिंदे को दोस्ती के गठबंधन के तहत मदद करके महाविकास आघाड़ी से गद्दारी कर उनके विरुद्ध कार्य किया. ऐसे में राकांपा कैसे विश्वास करके आपको टिकट दें।

राकांपा शरद पवार गुट प्रमुख जयंत पाटील द्वारा कालानी को खरी-खरी सुनाने के बाद कालानी उल्टे पैर वापस आ गए हैं। जबकि आव्हाड उन्हें तुतारी का लॉलीपॉप अभी भी दिए हुए हैं। जिस तरह मनपा चुनाव में कालानी इच्छुक उम्मीदवारों को लॉलीपॉप बांटते हैं उसी तरह का लॉलीपॉप आज उन्हें मिल रहा है।

शरद पवार से गद्दारी के चलते उन्हें टिकट से वंचित रखा जा सकता है, ऐसी भी चर्चा पार्टी में चल रही है। क्योंकि अब हर पक्ष नए चेहरे को लाने की विचारधारा पर चल रहा है। सर्वे के अनुसार आम जनता पुराने चेहरों से परेशान हो चुकी हैं। ऐसे में नए चेहरों की मांग अब हर जगह हो रही है।

अगर कालानी का तुतारी से पता कट हुआ तो क्या वो टीओके से चुनाव जीत पाएंगे। यह कालानी के लिए चिंता का विषय है। क्योंकि शहरवासी उन्हें दिखा कुछ और रहे हैं और चुनाव में होगा कुछ अलग।

फिलहाल राजनीतिक पार्टी के नेता, कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी में जुटे हुए हैं और जमकर पोस्टर के साथ प्रचार भी कर रहे हैं। शहर के गड्ढों में नेताओं के हंसते चेहरे लोग भी देख रहे हैं।

डोंबिवली-अंबरनाथ हाईवे पर ट्रैफिक जाम

कल्याण. डोंबिवली-अंबरनाथ हाईवे पर कोले गांव के पास वाहनों का जाम लगना शुरू हो गया है. हाईवे किनारे साप्ताहिक बाजार चलने के कारण खरीदारों के वाहन हाईवे पर खड़े होने से समस्या उत्पन्न हो रही है. इस क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतारें लगने से नागरिक आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं.

कोले गांव के पास हर गुरुवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में खरीददारों के आने के कारण वाहन पार्किंग के लिए जगह उपलब्ध नहीं है। इसलिए हाईवे के किनारे सीधे वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। इस मनमाने तरीके से राजमार्ग पर यात्रा करने वाले नौकरीपेशा वर्ग को यातायात जाम के कारण काफी मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है। लेकिन केडीएमसी और ट्रैफिक पुलिस भी इस तरह की अनदेखी कर रही है. इससे क्षेत्र से मरीजों को लाने-ले जाने वाले एंबुलेंस चालक काफी सदमे में हैं. फिलहाल वाहन चालक सोच रहे हैं कि प्रशासन को इस दुविधा पर कदम उठाने का समय कब मिलेगा.

उल्हासनगर में बकायेदारों की संपत्ति होगी जब्त

- मनपा आयुक्त ने दिया आदेश

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने गुरुवार को विभाग प्रमुखों के साथ बैठक की और आय के मुख्य स्रोत की जानकारी लेकर आय को लेकर नाराजगी जताई है. उल्हासनगर मनपा की आय के प्रमुख स्रोत संपत्ति और जल कर, एलबीटी के तहत सरकारी सब्सिडी, टाउन प्लानिंग विभाग से निर्माण परमिट आय आदि हैं। आयुक्त विकास ढाकने ने आय के प्रमुख स्रोतों की समीक्षा के लिए विभाग प्रमुखों के साथ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी।

अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, मुख्य लेखा परीक्षक शरद देशमुख, मुख्य लेखा अधिकारी किरण भिलारे, प्रभारी कर निर्धारण कलेक्टर नीलम कदम, सहायक आयुक्त अजय साबले, मयूरी कदम, जल आपूर्ति विभाग के उप अभियंता दीपक ढोले, सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी, बैठक में उनके साथ मनीष हिवरे, सचिन वानखेड़े, मनोज गोकलानी, विजय मंगलानी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे. उनसे मनपा की आय की जानकारी प्राप्त कर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की।

मनपा क्षेत्र में कुल 1 लाख 83 हजार 550 कर योग्य संपत्तियां हैं, जिनमें से 1 लाख 36 हजार 543 संपत्तियां आवासीय क्षेत्र में हैं। जबकि गैर आवासीय संपत्तियों की संख्या 47 हजार है और कुल बकाया राशि 819 करोड़ 18 लाख 98 हजार 455 है. तो मौजूदा डिमांड 117 करोड़ 80 लाख 94 हजार 43 रुपये है.

चालू वर्ष का कुल बकाया 936 करोड़ 99 लाख 92 हजार 498 रुपये है. इस साल अप्रैल से अब तक 61 करोड़ 67 लाख 37 हजार 801 रुपए प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ है।

इस पर कमिश्नर ढाकने ने नाराजगी जताई और बकायादारों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। आयुक्त ने बकायेदारों को वारंट जारी करने, संपत्ति जब्त करने, गिरफ्तारी समेत अन्य आवश्यक कार्रवाई कर टैक्स वसूली बढ़ाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को कई निर्देश दिये. कमिश्नर के आक्रामक रुख से बकायेदारों में हड़कंप मच गया है और त्योहार व चुनाव अवधि में कार्रवाई न की जाए। ऐसा रुख राजनीतिक दल के नेताओं ने अपनाया है.

अंबरनाथ में कौसर रब्बानी का बयान आज

- रजा जामा मस्जिद विम्को नाका पर होगा बयान

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. इस्लाम धर्म में गौस पाक रहमतुल्ला को एक अलग ही मुकाम प्राप्त है. इस्लाम के चौथे महिने 'रब्बीउल आखीर' में हजरत-ए-गौस पाक की गयारवी शहर में अकीदत व एहतराम के साथ सुन्नी समुदाय के मुसलमान मनाते हैं. इसी सिलसिले में सोमवार 14 अक्टूबर की रात में सरपरस्त आना आल इंडिया सुन्नी जमीयतुल उलेमा व अध्यक्ष आल इंडिया काजी बोर्ड, खतीब युरोप व ऐशीया, हजरत अल्लामा मौलाना अल्हाज सय्यत बरकात अहमद कौसर रब्बानी साहेब का शहर पश्चिम में विम्को नाका रजा जामा मस्जिद में पिराने पिर हजरत गौस पाक रहमतुल्ला अलै की जीवनी के बारे में बयान होगा. जीसमें उनके साहेबजादे शहजाद-ए-कौसर मिल्लत अलहाज डॉक्टर सय्यद मोहम्मद नूरानी एमडीएस नात शरीफ का गुलदस्ता पेश करेंगे. इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आसीफ पठाण, तबरेज रब्बानी और कौसर रब्बानी के मुरीद परिश्रम कर रहे हैं. इस नूरानी बयान को सुनने के लिए अंबरनाथ, उल्हासनगर, ठाणे जीले के मुस्लीमों से उपस्थित रहने की अपील की गई है.

अंबरनाथ में रावण दहन देखने के लिए उमड़ी भीड़

- शहर की इडा-पीडा दूर हो - लोगों को पानी मिले
- मैं चार दिनों में धमाका करने वाला हूं - प्रदीप पाटिल

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में जितने भी कार्यक्रम हो रहे हैं, उसमें विधानसभा चुनाव का साया गहराता जा रहा है. शनिवार को शहर पश्चिम के कोहोजगांव दशहरा मैदान में हुए रावण दहन के विशाल कार्यक्रम में भी कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक एवं पूर्व अध्यक्ष ने चुनाव को देखते हुए कहा कि वह चार दिनों के भीतर अंबरनाथ में एक जोरदार धमाका करनवाले हैं. उन्होंने विधायक एवं शिवसेना पर तंज कसते हुए कहा कि 28 साल से शहर को लगी हुई ईडा-पीडा को समाप्त करने के लिए उन्होंने शहर के कुछ नेताओं के साथ मिलकर इस पीड़ा को दूर करने के निर्णय लिया है. शहर में लोग 28 वर्षों से पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं. उसके लिए विधायक कुछ भी नहीं कर रहे हैं. उस समय कार्यक्रम में हजारों की भीड़ उपस्थित थी. उनकी बातों से ऐसे लग रहा था कि वह अबी भी कट्टर कांग्रेसी हैं और शिवसेना को उन्होंने राम-राम बोल दिया है. पूर्व कांग्रेस नगरसेवक उमेश पाटिल के परिश्रम से गत 9 वर्षों से यहां पर रावण दहन कार्यक्रम होता है. जिसे देखने के लिए हजारों लोग आते हैं. कोहोजगांव ग्रामस्थ मंडल के बच्चों ने राम और रावण पर आधारित गीत पर बेहतरीन वेशभूषा में कार्यक्रम को पेश करके उपस्थितों का दिल जीत लिया. उमेश पाटिल की इच्छा थी कि यहां पर राममंदिर है, उसके सामने रावण दहन हो. उनकी ये इच्छा वह पूरा कर रहे हैं. रावण दहन कार्यक्रम में पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल, पंकज पाटिल, सलीम चौधरी, चरण रसाल, रोहित सालवे व अन्य नेता उपस्थित थे. मिलिंद पाटिल ने उपस्थितों का स्वागत और आभार व्यक्त किया.

वालधुनी के प्रदूषण को रोकने के लिए टेंडर जारी

- प्रदूषण नियंत्रण मंडल नींद से जागा

अंबरनाथ. प्रदूषण के कारण नाला बन चुकी वालधुनी नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत करने के लिए अनुभवी कंपनियों से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। राज्य में वालधुनी और गोदावरी नदियों के प्रदूषण के खिलाफ उपाय करने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा यह कदम उठाया गया है। इसलिए सरकारी स्तर पर पहली बार वालधुनी को नदी का दर्जा दिया गया है.

अंबरनाथ पूर्व में शिलाहार काल के शिव मंदिर के साथ बहने वाली वालधुनी नदी पिछले कुछ वर्षों में प्रदूषण के कारण एक नाले में बदल गई है। रेलवे का जीआईपी बांध इसी नदी के मार्ग पर स्थित है। जिससे बोतलबंद रेल नीर पानी पूरे देश में वितरित किया जाता है। लेकिन सरकारी संस्थाओं ने इस नदी के अस्तित्व को स्वीकार करने से मुंह मोड़ लिया था।

कुछ साल पहले, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने अपनी विकास योजना में वालधुनी नदी का नाले के रूप में उल्लेख किया था। स्थानीय अंबरनाथ नगर पालिका ने भी वालधुनी को नदी मानने से इनकार कर दिया। दावा किया गया कि इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है.

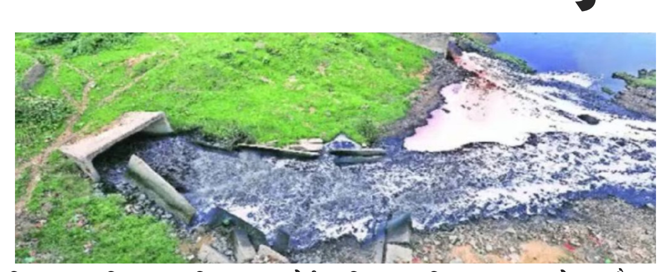

कई दशकों से वालधुनी नदी के पुनर्जीवन और उसमें प्रदूषण की रोकथाम की मांग की जा रही है। अंततः महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वालधुनी नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए एक विस्तृत प्रकल्प योजना तैयार करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया है और इसके लिए अनुभवी कंपनियों से टेंडर मंगाए गए है। इस टेंडर में राज्य की वालधुनी नदी के साथ गोदावरी नदी को भी शामिल किया गया है.

क्यों बढ़ा प्रदूषण?

कुछ वर्षों तक जींस धोने वाली फैक्ट्रियों से सीवेज सीधे वालधुनी नदी में छोड़ा जाता था। इस पर प्रतिबंध के बाद भी, औद्योगिक क्षेत्रों में कुछ कंपनियां सीवेज को सीधे नदी में छोड़ती पाई गईं। इस पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, अन्य राज्यों से रासायनिक सीवेज टैंकरों को वलधुनी में छोड़े जाने के मामले भी सामने आए। आज भी मानसून के दौरान बहते पानी का फायदा उठाकर सीवेज नदी में बहा दिया जाता है। इस पर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है.

अक्षय शिंदे के लिए 'वही' गाड़ी क्यों चुनी गाड़ी?

- सीआईडी ने पुलिस से की पूछताछ

ठाणे. आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने ठाणे पुलिस के मोटर परिवहन विभाग से पूछा है कि बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी अक्षय शिंदे को ले जाने के लिए उसी बड़े वाहन को क्यों चुना गया? ऐसी जानकारी सूत्रों ने दी है. आरोपी अक्षय के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई थी. पुणे सीआईडी के विशेष पुलिस महानिरीक्षक सारंग आव्हाड और नवी मुंबई के कोकण भवन सीआईडी अधीक्षक राहुल वाघुंडे ठाणे पुलिस के साथ जांच कर रहे हैं।

आरोपी एक होने के बावजूद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे और सहायक पुलिस निरीक्षक नीलेश मोरे समेत सभी चार पुलिसकर्मी उसे काबू में क्यों नहीं कर सके? बड़े वाहन की क्या जरूरत थी? एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीआईडी अधिकारियों द्वारा एक पत्र के माध्यम से ऐसा सवाल किया है.

बदलापुर में एक बड़ा जन आन्दोलन हुआ। इसलिए एक वरिष्ठ अधिकारी ने निजी तौर पर बताया कि सुरक्षा के लिए बड़े वाहन को चुना जाना चाहिए क्योंकि आरोपियों पर हमले की आशंका है और यह एक संवेदनशील मामला है. ऐसी जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा उल्हासनगर में संचालन परेड

उल्हासनगर. दशहरे के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा उल्हासनगर शहर में संचालन परेड यात्रा निकाली गई। यह संचालन परेड सेंट्रल पुलिस स्टेशन के डांडिया मैदान से जीरा चौक, पंजाबी कॉलोनी, फ्लोवर लाइन चौक, उल्हासनगर रेल्वे स्टेशन के पास होते हुए अयोध्या नगर हनुमान मंदिर में समाप्त हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस परेड में महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष महेश सुखरामनी शामिल हुए। विजयदशमी के मौके पर डॉ हेगड़ेवार द्वारा 1925 में राष्ट्रीय स्वयं संघ की स्थापना की गई थी और उसको अब 100 साल पूरा होने को आ रहा है इसलिए इसको शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परेड निकाली गई उल्हासनगर 1 से लेकर 5 तक हर जगह परेड यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। महेश सुखरामानी ने कहा कि हिंदुओं को जागृत करने के लिए और सनातन धर्म की रक्षा के लिए यह संचालन परेड यात्रा निकाली गई यह संचालन परेड यात्रा पूरे देश में निकाली जाती है और हिंदुओं को जागृत करने और सनातन धर्म की रक्षा के लिए लोगों को जागृत किया जाता है।

मैंग्रोव्ज की निगरानी के लिए 119.88 करोड़ रु. मंजूर

- ठाणे, मुंबई और रायगढ़ जिलों के 195 अति संवेदनशील क्षेत्रों 669 सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला

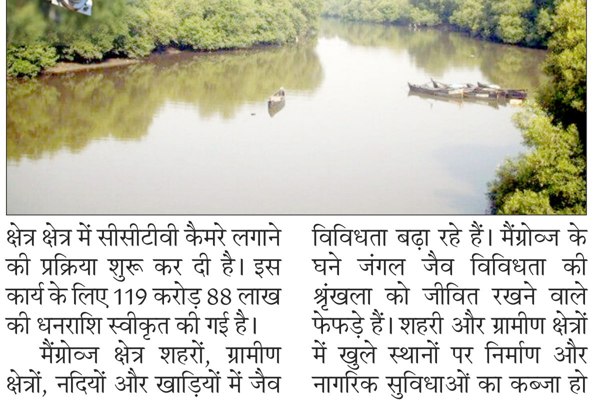

कल्याण. राज्य सरकार ने ठाणे, मुंबई और रायगढ़ जिलों के 195 अति संवेदनशील क्षेत्रों में घने मैंग्रोव्ज क्षेत्र में 669 सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है, जो जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. सरकार के इस निर्णय पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मैंग्रोव्ज जोन, मुंबई विभाग ने अति संवेदनशील मैंग्रोव्ज क्षेत्र क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्य के लिए 119 करोड़ 88 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है।

मैंग्रोव्ज क्षेत्र शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों, नदियों और खाड़ियों में जैव विविधता बढ़ा रहे हैं। मैंग्रोव्ज के घने जंगल जैव विविधता की श्रृंखला को जीवित रखने वाले फेफड़े हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खुले स्थानों पर निर्माण और नागरिक सुविधाओं का कब्जा हो रहा है। रेत तस्करों ने मैंग्रोव वनों को नष्ट कर उनसे रेत निकालना शुरू कर दिया है। शहरी क्षेत्रों में भू-माफियाओं ने मैंग्रोव को काटकर उनमें अवैध चालियाँ, इमारतें, वाणिज्यिक ब्लॉक, गोदाम, रसद आपूर्ति केंद्र बनाना शुरू कर दिया है।यदि जैव विविधता को कायम रखने वाला यह महत्वपूर्ण कारक नष्ट हो गया तो इसकी कीमत मानव श्रृंखला को भी चुकानी पड़ेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने ठाणे, मुंबई, रायगढ़ जिलों में अत्यधिक संवेदनशील मैंग्रोव्ज क्षेत्रों का निर्धारण करने और उन घने जंगलों पर सीसीटीवी से नजर रखने का निर्णय लिया है।

इन अत्यधिक संवेदनशील मैंग्रोव्ज क्षेत्रों का निर्धारण मुंबई में मैंग्रोव्ज सेल और रायगढ़, ठाणे, मुंबई डिवीजन के क्षेत्रीय वन विभाग द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण के माध्यम से किया गया है। अत्यधिक संवेदनशील मैंग्रोव्ज क्षेत्रों में मुंबई, नवी मुंबई, उरण, पनवेल, भिवंडी, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, मुंब्रा, मीरा-भाइंदर, वसई-विरार क्षेत्र के कुछ हिस्से शामिल हैं। मुंबई डिवीजन के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एस. वी रामाराव ने सरकार को प्रस्ताव भेजा था. पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को देखते हुए सरकार ने इसे मंजूरी दे दी है।

दशहरे पर यात्रियों ने की लोकल ट्रेन की पूजा

बदलापुर. दशहरे से एक दिन पहले रेल यात्रियों के लिए स्थानीय रेलवे के प्रति आभार व्यक्त करने के समारोह के रूप में देखा जाता है। बदलापुर रेलवे स्टेशन पर आज यात्रियों ने हर्षोल्लास के साथ दशहरा मनाया।

बदलापुर रेलवे स्टेशन पर महिलाओं और पुरुषों ने स्थानीय पूजा कर गरबा भी खेला। इस अवसर पर मोटरमैन, स्टेशन प्रबंधक, रेलवे स्टाफ को सम्मानित किया गया। मुंबई और उसके आसपास रेल यात्रियों के लिए लोकल ट्रेनें जीवन रेखा हैं। सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे लाइन पर हर दिन 80 लाख से ज्यादा लोग यात्रा करते हैं. यह लोकल ट्रेन लाखों लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गई है।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

यह साफ लापरवाही है

सड़क के किनारे या किसी पार्क में गड्ढे, खुले नाले या मैनहोल में गिर जाने से बच्चों की मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। खासकर बरसात में जलजमाव की वजह से सड़क किनारे किसी गड्ढे या नाले का कई बार पता नहीं चलता और राह चलते लोग उसमें गिर जाते हैं। गौरतलब है कि पांच दिन पहले उत्तर-पश्चिम दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहां निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार ने कई जगह न केवल नाले को खुला छोड़ दिया था, बल्कि वहां आसपास न तो कोई घेरा लगाया गया था और न कोई चेतावनी के संकेत लगाए गए थे। जाहिर है, यह ठेकेदार से लेकर संबंधित सरकारी महकमे और उसके अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है।

अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ऐसे कुछ मामलों को आधार बना कर दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में विस्तृत रपट मांगी है। आयोग ने कहा है कि ऐसी घटनाएं नगर निकाय के अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है और यह पीड़ितों के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यह समझना मुश्किल है कि नाले का निर्माण कराने वाले ठेकेदार और अन्य लोगों को इतनी साधारण बात समझ में क्यों नहीं आती कि खुला नाला कभी भी किसी की मौत की वजह बन सकता है।

दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में खुले नाले या मैनहोल में गिर कर लोगों की मौत हो जाने की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। विडंबना यह है कि सरकार या संबंधित महकमों को लंबे समय से कायम इस गंभीर समस्या पर गौर करने की जरूरत नहीं महसूस होती। जब भी खुले नाले, गड्ढे या मैनहोल में गिर जाने से किसी की जान चली जाती है, तब सरकार की ओर से औपचारिकता के लिए कुछ कदम उठाने की घोषणा की जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वैसी ही कोई घटना हो जाती है।

किसी भी जगह नाले के निर्माण या मैनहोल की साफ-सफाई के दौरान उसे खतरनाक तरीके से खुला छोड़ देने की वजह से किसी की मौत की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

हिंसा का सही जवाब तलाशती कोरियाई लेखिका को नोबेल

दक्षिण कोरिया की प्रसिद्ध साहित्यकार हान कांग की किताबों में इंसानी हिंसा के विविध रूप उभरते हैं। छह साल पहले एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था, 'मैं इस बात की मूल वजह जानना चाहती थी कि किसी इंसान को गले लगाना मेरे लिए इतनी तकलीफदेह बात क्यों है और मैं अपने अंदर टटोलती चली गई।'

53 वर्षीया हान कांग का साहित्य विविध सवालों के जवाब अपने अंदर ही टटोलने के अभियान जैसा है। कोई अचरज नहीं, आज दुनिया हान कांग के साहित्य का खजाना टटोल लेना चाहती है। इस साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार हान कांग को देने की घोषणा हुई है। दक्षिण कोरियाई इतिहास में पहली बार किसी साहित्यकार को साहित्य का शीर्ष सम्मान मिला है। हान को पढ़ने वाले और उनके लेखन के मुरीदों के लिए उन्हें नोबेल मिलना ऐसा है, मानो वह इसके लिए ही बनी हों। कोरियाई प्रायद्वीप आज पूरी दुनिया में अपने विभिन्न रंग-रूप और कलेवर में उपस्थित है और साहित्य इसका एक बड़ा हिस्सा है। किसे पता था कि हाल्यू (कोरियाई वेब) से शुरू हुई दक्षिण कोरिया की यह यात्रा साहित्य के नोबेल तक पहुंच जाएगी।

हान कांग की सबसे प्रसिद्ध किताब द वेजिटेरियन के अंग्रेजी में अनुवादित संस्करण को साल 2016 में मैन बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तब से आज तक हान वैश्विक पटल पर अपने पाठकों का प्रेम अर्जित करती आ रही हैं। हान को साहित्य का संस्कार अपने पिता हान संग-वॉन से विरासत में मिला है। निस्संदेह,

यह हान के 85 वर्षीय पिता के लिए भी बहुत खुशी का मौका है। पिता प्रतिष्ठित लेखक हैं, उन्हें भी उम्दा साहित्य के लिए अनेक सम्मान मिल चुके हैं। बेटी हान को नोबेल मिलने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके लेखक पिता ने कहा है कि 'हान कांग की किसी भी रचना को खारिज नहीं किया जा सकता। वह दुख-तकलीफ और इंसानी जज्बात को जिस तरह अपनी कथा में पिरोती हैं, अपनी कृति को अद्भुत, अति सुंदर और पठनीय बना देती हैं।'

अपने लेखन में मौजूद गाढ़े अंधेरे और गंभीरता के बारे में पूछे जाने पर हान बताती हैं, 'मुझे हमेशा यह महसूस होता है कि उपन्यास लिखते समय मैं लगातार सवाल करती रहती हूं, और साथ ही, मैं इंसानी हिंसा और इसे अस्वीकार करने की संभावना या उसके घटित न होने की उम्मीदों के बारे में लंबे समय से चले आ रहे अपने सवाल से जूझना चाहती हूं।' वह अपनी कृतियों के जरिये अपने सवालों को पाठकों तक पहुंचाना चाहती हैं, ताकि जवाब खोजने में आसानी हो।

जहां एक ओर, हान की शुरुआती किताबों में मनुष्यों के बीच के अलगाव, हिंसा, विछोह के कारण मिलने वाले आघात जैसे विषय दिखाई पड़ेंगे, वहीं बाद की कृतियों में हिंसा, तंत्र की वजह से इंसानों पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष-परोक्ष सामाजिक-मानसिक दबाव और बने-बनाए ढांचे को तोड़कर इंसान को इंसान के रूप में देखने की चाह पुरजोर नजर आती है।

एक विशेषता यह भी है कि हान की किताबों में किरदार आमतौर पर स्वयं् त्रियां होती हैं या उनका कथानक स्त्री-जीवन के ईद-गिर्द बुना होता है। हान के स्त्री पात्र आक्रामक, बहुत मुखर और हिंसक हुए बिना विरोध दर्ज कराते हुए व्यवस्था पर कड़ी चोट करते हैं। द वेजिटेरियन में वह कोरियाई समाज के 'मांसाहार' की प्रवृत्ति पर तगड़ी चोट करती हैं। वहीं उनकी दूसरी प्रसिद्ध कृति द व्हाइट बुक में उन्होंने सफेद रंग को ही अपना पात्र बना दिया है और जीवन-मृत्यु, सुख-दुख के संतुलन को दर्शाया है। साल 2023 में प्रकाशित अपनी किताब आई डू नॉट बिड फेयरवेल में् त्रियों के माध्यम से हिंसा, मानवीय संबंधों में आने वाले अलगाव से पैदा होने वाले दुख व शोक को सामने रखा है। उनका यह उपन्यास हिंसा और युद्ध के बाद मिलने वाले दुख से उबरने के लिए किए जा रहे संघर्षों की कहानी है।

हान के नोबेल जीतने से कोरियाई साहित्य का विस्तार होना तय है। हिंदी में उनकी रचनाओं का अनुवाद वैसे उपलब्ध नहीं है, जैसे अंग्रेजी में सुलभ है। बेशक, आज जब अनेक देश युद्ध में उतरे हुए हैं, तब हान कांग का साहित्य अमन-चैन के काम आ सकता है।

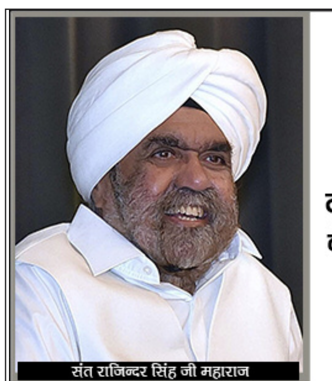

यदि हम ध्यानाभ्यास की कला में पारंगत हो जायें, तो हम जीवन के तूफानी समुद्र को सफलतापूर्वक पार कर लेंगे और आध्यात्मिक बंदरगाह में सकुशल पहुँच जायेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पीएम मोदी ने चीन को दिया कूटनीतिक संदेश

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के लाओस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर एकजुटता की जरूरत रेखांकित की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के कई देश परस्पर संघर्ष में उलझे हुए हैं और इसके चलते अनेक आर्थिक समस्याएं चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। विकसित कहे जाने वाले देश भी मंदी और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी स्थिति में दक्षिण एशियाई देशों से परस्पर सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। दक्षिण एशिया के सभी देश चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते किसी न किसी रूप में असहज महसूस करते हैं। इसलिए सभी ने शिखर सम्मेलन के मंच से चीन की खुल कर आलोचना की।

प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि हमारी नीति विकासवादी होनी चाहिए, न कि विस्तारवादी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर उन्होंने समुद्री गतिविधियों के संबंधित कानूनी ढांचे 'अनक्लोस' के तहत ही संचालित किए जाने पर बल दिया। निगरानी की आजादी और वायु क्षेत्र सुनिश्चित करने की जरूरत भी रेखांकित की। इस पर एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनाने तथा क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश लगाने

की कोशिशों पर विराम लगाने के उपाय तलाशने की जरूरत भी बताई।

दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल दक्षिण एशिया, बल्कि दूसरे कई देशों में भी कई तरह की परेशानियां पैदा हो गई हैं। चीन ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि तेजी से विकास कर रहे और विकसित देश संघर्षों में उलझे रहें और वह उनके बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखे। मगर चूंकि भारत अब विकसित देश बनने के पायदान चढ़ रहा है और उसके प्रयासों से वैश्विक दक्षिण देश अपना एक नया बाजार बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, चीन की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है।

दक्षिण चीन सागर में उसने इसीलिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कुछ समय पहले हुए क्वाड सम्मेलन में भी भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों पर नकेल कसने की जरूरत रेखांकित की थी। दरअसल, अब विकसित देशों को भी महसूस होने लगा है कि दक्षिण एशियाई देशों के सहयोग के बिना चीन को टक्कर देना संभव नहीं है। इन देशों को एकजुट रखने में भारत की अहम भूमिका है।

ालांकि आसियान का गठन आर्थिक मामलों में पश्चिम के विकसित देशों, चीन और रूस के वर्चस्व को तोड़ कर अपना एक बाजार विकसित करने और इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बनाए रखने के मकसद से हुआ था। इसका असर भी दिखने लगा है। फिलहाल जिस तरह रूस और यूक्रेन लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और उसके चलते पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। फिर इजराइल और हमास के संघर्ष का दायरा बढ़ा है और उसमें विश्व की दूसरी ताकतों के भी कूद पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है, आसियान देशों की भूमिका आने वाले समय में और महत्त्वपूर्ण होने वाली है। निस्संदेह अगर आसियान देश इस स्थिति में एकजुटता और परस्पर सहयोग बनाए रखते हैं, तो इस क्षेत्र को वैश्विक संघर्षों की आंच कम से कम प्रभावित कर पाएगी।

48 साल बाद आया नौकरी की अर्जी का जवाब

जरा हट के

एक फेमस बॉलीवुड सॉन्ग है, 'आखिर तुम्हें आना है, जरा देर लगेगी!' कुछ चीजें हमारी किस्मत में होती हैं, मगर मिलने में देर लगती है. इंग्लैंड की एक महिला के साथ भी ऐसा ही हुआ. उसने जवानी में एक नौकरी के लिए अर्जी भेजी थी. कई दिनों तक वो उसके जवाब का इंतजार करती रही. उसे लगा था कि वो नौकरी उसे मिल जाएगी, पर ऐसा नहीं हुआ. अब जब वो बूढ़ी हो चुकी है, तब जाकर उसे जवाब मिला है. जैसे ही उसने उस खत को पढ़ा, सारा मामला साफ हो गया और वो 48 साल बाद जान पाई कि उसकी अर्जी का जवाब आने में देर क्यों लगी.

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 70 साल की टिज़ी हॉडसन लिंकनशायर के गेडने हिल में रहती हैं. हाल ही में उनके पास डाक से एक लिफाफा आया. जैसे ही उन्होंने उसे खोला, उन्हें अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हुआ. वो इसलिए

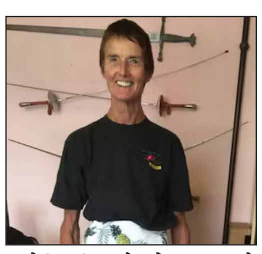

क्योंकि लिफाफे के अंदर वो अर्जी थी, जिसे उन्होंने 48 साल पहले एक नौकरी के लिए भेजा था. दरअसल, टिज़ी एक स्टंटवुमैन थीं. 1976 में वो एक मोटरसाइकिल स्टंट राइडर बनना चाहती थीं. उन्होंने जनवरी 1976 में उस नौकरी के लिए खत भेजा था.

खत के ऊपर लिखा था कि वो इतने सालों से पोस्ट ऑफिस की एक दरवाज के पीछे फंसा हुआ था, इस वजह से डिलीवर ही नहीं हो पाया, वो करीब 50 साल लेट है और इस वजह से उन्हें लौटाया जा रहा है. हालांकि, इस गलती की वजह से उनके करियर पर कोई रोक नहीं लगी. उन्होंने अपने जीवन में कई बाइक के करतब दिखाए और नाम कमाया. 50 से ज्यादा बार उन्होंने घर बदले, 4-5 बार देश बदले. पर वो हमेशा सोचती रहीं कि आखिर उन्हें जवाब क्यों नहीं मिला. इतनी जगह बदलने के बाद भी डाक विभाग ने उन्हें खोज लिया, ये बड़ी हैरानी की बात है.

टिज़ी ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि उन्हें आज भी याद है कि वो अपने लंदन वाले घर में इस लेटर को टाइपलाइटर से टाइप कर रही थीं. इस बीच वो अफ्रीका हो आईं, स्नेक हैंडलर के तौर पर उन्होंने काम किया. उन्होंने पायलेट की ट्रेनिंग ली, प्लेन उड़ाया, घुड़सवारी सीखी.

अच्छी गट हेल्थ के लिए इन 4 सरल आदतों के साथ करें दिन की शुरुआत

■ सेहतमंद रहने के लिए जरूर करें फॉलो

कुछ लोग पेट साफ करने के लिए दिनभर में कई बार वॉशरूम जाते हैं। मौसम चाहे जो भी हो कुछ लोग हमेशा ही पेट खराब होने की समस्या से परेशान रहते हैं। खराब पेट के कारण कई समस्याएं हो सकती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए खराब गट हेल्थ को सुधारने की जरूरत होती है। इसके लिए आप कुछ आदतों को अपना सकते हैं। ये आदतें आपको रोजाना सुबह फॉलो करनी होगी। एक बार

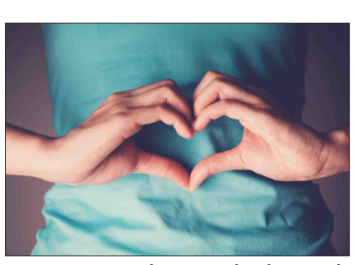

जब आप रूटीन में इन चीजों को करने लगेंगे तो आपको सेहत में खुद सुधार दिखने लगेगा।

1) सबसे पहले पीएं पानी

सुबह के समय सबसे पहले एक ग्लास पानी पीने को अपने सुबह के रूटीन का हिस्सा बनाएं। ऐसा करके न सिर्फ पाचन बल्कि पेट भी साफ होता है। इसी के साथ जब आप सुबह सबसे पहले पानी पीते हैं तो ये शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने के साथ आपको हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। सुबह के समय ये सबसे जरूरी है। ये आदत खराब पाचन और कॉन्सटिपेशन वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी है। क्योंकि इससे पोषण तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिली है।

2) फिजिकल एक्टिविटी

अच्छी गट हेल्थ के लिए दिन की शुरुआत करने की एक सरल आदत फिजिकल एक्टिविटी है। अग आप सुबह नहीं उठ पाते हैं, तो आपको सुबह किसी मुश्किल काम को करने की बजाय। अपने दिन की शुरुआत करने के लिए अपने पेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योग, स्ट्रेचिंग या टहलने जैसी हल्की एक्टिविटीज पर ध्यान दें।

3) सही नाश्ते का चुनाव

नाश्ता दिन की सबसे जरूरी मील है, और यह आपके पेट के स्वास्थ्य को बूस्ट करने का एक शानदार तरीका है। नाश्ते में पौष्टिक फाइबर की मात्रा ज्यादा होनी चाहिए। अपने दिन की शुरुआत ओट्स के नाश्ते से करें, जिसके ऊपर फल, मेवे और बीज का मिक्स डालें। यह आपके पेट के माइक्रोब्स को स्वस्थ और खुश रखने के लिए अच्छा है।

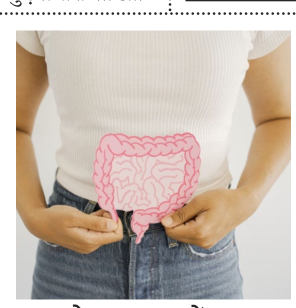

4) स्ट्रेस कम करें

जब आप ज्यादा स्ट्रेस में होते हैं तो गट और ब्रेन के कनेक्शन के कारण पेट खराब होने की दिक्कतें हो सकती हैं। तनाव का हमारे पेट के स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। इससे वेगस तंत्रिका पर प्रभाव पड़ता है जो हमारे दिमाग से हमारे पाचन तंत्र तक चलती है। अगर आप सुबह सबसे पहले अपना फोन उठाते हैं, तो हो सकता है कि आप अपने दिन की शुरुआत में तनाव बढ़ा रहे हों। दिन की शुरुआत में कुछ रिलेक्सिंग करें। इसमें ध्यान, एक छोटा योग सेशन, लिखना शामिल कर सकते हैं।

चुकंदर से बनाएं चीला

खाना-खजाना

चुकंदर सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो खून बढ़ाने में मदद करता है। एनीमिया की समस्या में चुकंदर खाना फयदेमंद होता है। कई लोग इसे सलाद के रूप में खाना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग चुकंदर का जूस पीते हैं या फिर कुछ रेसिपी में शामिल कर खाते हैं। आप चुकंदर की मदद से टेस्टी चीला तैयार कर सकते हैं। यहां चीला बनाने की सबसे आसान रेसिपी बता रहे हैं।

सामग्री :

- 1 कप बेसन
- 2 बड़े उबले हुए चुकंदर
- 1/2 कप ओट्स पाउडर
- 2 चुटकी हींग
- 2 बड़े चम्मच घी
- 1/2 चम्मच अजवायन
- 2 बड़े चम्मच धनिया पत्ती
- 1 प्याज
- 50 ग्राम पनीर
- नमक आवश्यकतानुसार

कैसे बनाएं :

चुकंदर का चीला बनाने के लिए एक बर्तन में बेसन, ओट्स का आटा, अजवायन, नमक और हींग डालें और इन सूखी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। फिर उबले हुए चुकंदर को ब्लेंडर में डालें और मुलायम प्यूरी बना लें। इस चुकंदर की प्यूरी को दूसरी चीजों के साथ मिलाएं और अच्छी तरह मिलाकर एक सुंदर लाल-गुलाबी रंग का बैटर तैयार करें। जरूरत हो तो पानी डालें नहीं तो रहने दें।अब फिलिंग तैयार करने के लिए पनीर को कद्दूकस करें और फिर इसमें हरा धनिया, कटा हुआ प्याज डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब चीले बनाएं इसके लिए तवे को अच्छे से गर्म करें। फिर बैटर डालें और बैटर को फैलाने के लिए सर्कल करते हुए फैलाएं। अब इसे दोनों तरफ से हल्का भूरा और कुरकुरा होने तक पकाएं। फिर एक तरफ पनीर की फिलिंग डालें और फोल्ड कर दें।चीला तैयार है। सभी को इसी तरह से बनाएं और दही, हरी चटनी के साथ सर्व करें।

फ्रीजर में जम जाती है पहाड़ों-सी बर्फ?

■ बिना डिफ्रॉस्ट किए ऐसे हटाएं आइस,

■ कमाल की हैं ये ट्रिक्स

घर पर खाने के सामान को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए फ्रिज की जरूरत पड़ती है. यही नहीं, फ्रिज की मदद से हम खाना बनाकर लंबे समय तक स्टोर भी कर सकते हैं, जबकि डीप फ्रीजर एरिया में हम उन चीजों को स्टोर करते हैं, जिन्हें काफी लंबे समय तक स्टोर करना पड़ता है. लेकिन हवा में नमी बढ़ने से कई बार डीप फ्रीजर में बर्फ जम जाती है और कई बार तो बर्फ की पहाड़ियां भी बन जाती हैं. इसके लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है. अगर आपके पास कम वक्त है और आप इसे जल्दी से साफ करना चाहते हैं, तो हम बताते हैं कुछ सिंपल उपाय.

■ पहला तरीका

आप फ्रिज को बंद कर दें और बेहतर होगा कि इसे ऐसी जगह ले जाएं जहां पानी गिरने पर परेशानी न हो. अब आप एक बाल्टी में गर्म पानी लें और मग की मदद से फ्रीजर के अंदर इसे गिराते जाएं. धीरे धीरे सारे बर्फ पिघल जाएंगे.

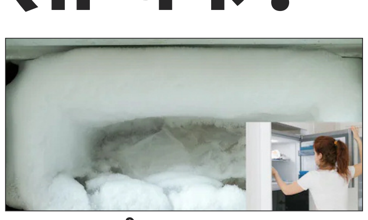

■ दूसरा तरीका

एक ऐसा बर्तन लें जो आसानी से आपके फ्रीजर के अंदर जा सके. अब आप इस बर्तन में उबलता पानी रखें और इसे सावधानी से फ्रीजर के अंदर रखकर डोर क्लोज कर दें. गर्म स्टीम से सारे बर्फ जल्द ही पिघल जाएंगे.

■ तीसरा तरीका

आपके घर में अगर हेयर ड्रायर है तो आप इसका इस्तेमाल कर बर्फ को पिघला सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले आप फ्रीजर का डोर ओपन करें और हेयर ड्रायर ऑन करें. अपका इसका मोड हाई हीट पर रखें और हवा फ्रीजर के अंदर की तरफ करें. गर्म हवा से बर्फ पिघलने लगेगी.

■ इस बात का रखें ख्याल

जब भी बर्फ को निकालने के लिए खरोचना हो तो स्टील या किसी धातु का चम्मच आदि न लें. बल्कि इसके बदले आप लकड़ी का चम्मच इस्तेमाल करें. अगर बार बार फ्रीजर में ये परेशानी आ रही है तो सर्विस सेंटर ले जाएं.

किचन की टाइल्स साफ करने के लिए फॉलो करें ये 2 टिप्स

■ दिवाली की सफाई में आएंगे काम

■ किचन की सफाई

किचन में खाना बनाते समय तेल, मसाले उड़कर प्लेटफॉर्म पर लगे टाइल्स पर लग जाते हैं. भले ही इसे रोजाना साफ किया जाता है, लेकिन धीरे-धीरे इन टाइल्स पर गंदगी जमा हो जाती है. तेल से सने टाइल्स को साफ करना आसान नहीं है. कई बार ब्रश से साफ करने के बाद भी टाइल्स अच्छे से साफ नहीं होती हैं. अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो आइए आज हम आपको चिपचिपी किचन टाइल्स को चमकाने के कुछ आसान टिप्स बताते हैं. इन चीजों की मदद से आप तेल, घी के कारण चिपचिपी टाइल्स को आसानी से साफ कर सकते हैं.

■ नींबू और बेकिंग सोडा

नींबू के साथ बेकिंग सोडा मिलाकर भी किचन की सफाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. इन दोनों चीजों का मिश्रण गंदी टाइल्स को भी चमका देता है. इससे पांच मिनट में ही सारी जलन दूर हो जाएगी. इस मिश्रण को तैयार करने के लिए गर्म पानी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस मिलाएं. इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरकर किचन की गंदी टाइल्स पर स्प्रे करें. पांच मिनट के बाद, सभी गंदगी और जमी हुई गंदगी को हटाने के लिए टाइल्स को एक साफ कपड़े

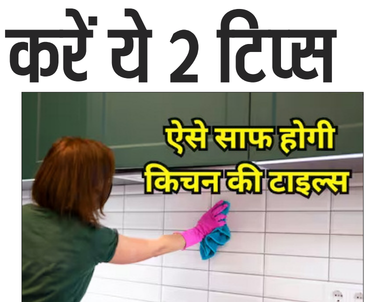

से पोंछ लें.

■ नींबू और ब्लीच

ब्लीच और नींबू का उपयोग रसोई की गंदी टाइलों और फर्शों को चमकाने और गंदगी हटाने के लिए किया जा सकता है. एक कटोरी में चार से पांच चम्मच ब्लीच लें और इसमें बराबर मात्रा में नींबू का रस मिलाएं. अब इस मिश्रण को एक पुराने कपड़े की मदद से टाइल्स पर लगाएं. इसे पांच मिनट के लिए छोड़ दें और फिर टाइल्स साफ कर लें, टाइल्स साफ हो जाएंगी.

■ नींबू और गरम पानी

किचन की सफाई करते समय सादे पानी की जगह गर्म पानी का इस्तेमाल करना चाहिए. रसोई में बहुत अधिक गंदगी होती है जिसे साफ करने के लिए गर्म पानी उपयोगी साबित होगा. खासतौर पर प्लेटफॉर्म और टाइल्स को साफ करने के लिए गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर इस्तेमाल करें. इससे सफाई में तेजी आएगी.

आज का राशिफल

मेष : किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

वृषभ : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी।

मिथुन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्या : बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। दूसरों की बातों में न आएं।

तुला : सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें।

धनु : यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे।

मकर : अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन : घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लखनऊ में दलित युवक की मौत पर सियासत, दोषी चार पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ. लखनऊ के विकासनगर सेक्टर आठ अम्बेडकर पार्क में पुलिस की दबिश में पकड़े गए दलित युवक की थाने में मौत के मामले में सियासत गर्माती जा रही है। राजनीतिक दलों ने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसको देखते हुए दोषी चार पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विकासनगर थाने में तैनात शैलेंद्र समेत चार पुलिस कर्मियों पर गैर इरादतन हत्या और एससीएसटी एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इससे पहले रविवार को दलित युवक की मौत के मामले में बसपा का एक प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। दोपहर में नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद, मोहनलालगंज सीट से सपा सांसद आरके चौधरी और सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया भी विकास नगर पहुंचे। यहां पीड़ित परिवार से मुलाकात की। साथ ही दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

यूपी में शादी के इरादे से भागे प्रेमी युगल ने खाया जहर, दोनों की हालत नाजुक

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां रामपुर से भागे प्रेमी जोड़े एक बाग से बेहोशी की हालत में मिले। आनन-फानन में दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां दोनों की हालत नाजुक है। जानकारी के मुताबिक प्रेमी और प्रेमिका ने जहर खाया था। वहीं, पुलिस भी इस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि 30 सितंबर को घर से गायब रामपुर जिले के भोट थाना क्षेत्र के इंदिरा गांव का रहने वाला 24 साल का खेमपाल गांव की सैनी जाति की नाबालिग किशोरी से प्यार करता था जबकि खेमपाल लोध राजपूत जाति से है। जब इस बात की भनक परिजनों को लगी तो उन्होंने आनन-फानन में खेमपाल की दूसरी जगह शादी कर दी। आरोप है कि 30 सितंबर को शादी करने के इरादे से खेमपाल किशोरी को घर से भगाकर ले गया। इस संबंध में खेमपाल और उसके माता-पिता के खिलाफ बेटी के अपहरण का मुकदमा परिजनों की ओर से संबंधित थाने में दर्ज़ करा दिया गया था। तभी से किशोरी की तलाश में पुलिस जुटी हुई थी लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिल रहा था।

बनारस में दो पक्षों में पथराव, कब्र से शव निकालकर काटा सिर

बनारस. बनारस में दशहरे की रात को जमकर हंगामा हो गया। अति संवेदनशील क्षेत्र देवनाथपुरा में शनिवार देर रात दो वर्गों में पथराव के बाद करीब घंटे भर अफरातफरी की स्थिति रही। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया। पुलिस ने दोनों पक्ष से 12 लोगों को हिरासत में लिया है, जिसमें पांच नाबालिग हैं। घटना में एक वर्ग के चार लोगों को हल्की चोटें आई हैं। घायलों का इलाज जारी है। सभी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिजनौर के हल्दौर से हैरान कर देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां कब्र खोदकर कारी सैफुर्रहमान के शव से सिर तांत्रिक क्रिया के लिए काटा गया था। हाई प्रोफाइल मामले का खुलासा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद किया है। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से मुंबई पहुंचकर कारी सैफुर्रहमान का सिर समुद्र में फेंक दिया था। थाना क्षेत्र के गांव खारी निवासी कारी सैफुर्रहमान की करीब तीन माह पूर्व मौत हो गई थी। उनके शव को गांव की कब्रिस्तान में दफनाया गया था। 15 दिन पहले किसी ने इमाम की कब्र खोदकर सिर काटकर गायब कर दिया था।

यूपी में भीषण सड़क हादसा; एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने राहगीरों को रौंदा, तीन की मौत

बागपत. उत्तर प्रदेश में बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह पैदल जा रहे चार लोगों को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। इस घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं, हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले दी जांच पड़ताल में जुट गई। ये घटना चांदीनगर क्षेत्र का है। पुलिस उपाधीक्षक प्रीता सिंह ने बताया कि रविवार सुबह चांदीनगर क्षेत्र के लहचौड़ा गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस पर यह हादसा हुआ। सूत्रों के मुताबिक तेज़ रफ़्तार ट्रक की चपेट में एक्सप्रेस वे पर चारो लोग पैदल ही जा रहे थे। तभी चालक की लापरवाही से ट्रक चारों को रौंदता हुआ फरार हो गया। हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'बीजेपी कौरवों की तरह, अहंकार की आती है बू'

- दशहरा रैली में खूब बरसे उद्धव ठाकरे

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में दशहरा रैली हर साल राजनीतिक हलचल का केंद्र बनती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र की सियासत के दो प्रमुख चेहरे आज दो अलग-अलग जगहों पर रैलियों में शक्ति प्रदर्शन करते दिखे। एक तरफ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आजाद मैदान में जोरदार हुंकार भरते नजर आए, तो दूसरी तरफ शिवसेना यूबीटी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शिवाजी पार्क में अपने कार्यकर्ताओं में जोश से भरे हुए दिखाई दिए।

सरकार बनने पर हर जिले में होगा शिवाजी महाराज का मंदिर: उद्धव

मुंबई के शिवाजी पार्क में पार्टी की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, ₹महायुति सरकार केवल वोटों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनवाई और वह मूर्ति ढह गई, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं और आपसे वादा करता हूं कि जब हम सत्ता में आएंगे तो महाराष्ट्र के हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज उनके लिए वोट बैंक हैं, लेकिन हमारे लिए वह भगवान हैं। वह (महायुति) कह रहे हैं कि हिंदुत्व को बचाने के लिए एक साथ आओ, आपने या मोदी ने पिछले 10 वर्षों में हिंदुत्व को क्यों नहीं बचाया?"

भाजपा पर खूब बसरे उद्धव ठाकरे

दशहरा रैली के मंच से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर सीधा निशाना साधा। उद्धव ने अपने आक्रामक भाषण के दौरान कहा कि आरएसएस को आज की 'हाइब्रिड' बीजेपी पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वह अब भी इसके साथ सहमत है। उन्होंने कहा, "भाजपा कौरवों की तरह है, जिससे अहंकार की बू आती है। मैंने भाजपा से इसलिए नाता तोड़ लिया क्योंकि मैं हिंदुत्व के उसके स्वरूप में विश्वास नहीं करता।"

दो साल से चल रहे सरकार, हल्के में नहीं लीजिए: एकनाथ शिंदे

वहीं शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। शिंदे ने कहा, ₹पहले सबको लग रहा था कि हमारी सरकार 2-3 महीने में गिर जाएगी लेकिन सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए। अगर (महा विकास अघाड़ी) सरकार नहीं हटाई होती तो महाराष्ट्र बहुत पीछे रह जाता। मैंने बिना रगड़े 2 साल पूरे कर लिए। मुझे हल्के में नहीं लीजिए, मैं भगोड़ा नहीं हूं, कट्टर शिवसैनिक हूं और कट्टर शिवसैनिक मैदान नहीं छोड़ता।

शिंदे ने कहा, ₹पहले लोग बाला साहब से मिलने आते थे, कहते थे कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो लेकिन अब आपके (उद्धव ठाकरे) साथियों को आपकी शक्ल पसंद नहीं है, तो फिर ये महाराष्ट्र कैसे चलेगा। हम जो फैसला ले रहे हैं उससे उनके काले धंधे बंद हो गए हैं। हम फेसबुक लाइव नहीं बल्कि आमने-सामने काम कर रहे हैं।

मदरसों को फंड देना बंद करे सरकार

- NCPCR की सिफारिश

नई दिल्ली. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने केंद्र और सभी राज्यों की सरकारों को पत्र लिखते हुए कहा है कि मदरसों को फंड देना बंद कर दिया जाए। साथ ही इन्हें भंग करने की भी अपील की है। आयोग ने मदरसों के कामकाज और मुस्लिम बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में उनकी विफलता पर गंभीर चिंता जताते हुए यह सिफारिश की है। एनसीपीसीआर की रिपोर्ट 'आस्था के संरक्षक या अधिकारों के उत्पीड़कः बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसा' में ये बातें कही हई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मदरसा बोर्ड बच्चों के अधिकारों को लेकर सजग नहीं हैं। ना तो वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं और न ही उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए किसी भी तरह की पहल कर रहे हैं। आयोग का तर्क है कि बोर्ड का गठन या शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) संहिताओं का पालन करने का मतलब यह नहीं है कि मदरसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के प्रावधानों का पालन कर रहे हैं। मदरसों में पढ़ने वाले मुस्लिम बच्चों को औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाने की सिफारिश करते हुए आयोग ने अपनी रिपोर्ट सभी राज्यों को भेजी है।

आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि धार्मिक शिक्षा औपचारिक शिक्षा की कीमत पर नहीं दी जा सकती है। औपचारिक शिक्षा भारत के संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है।

आयोग ने यह भी सिफारिश की है कि अभिभावकों या माता-पिता की सहमति के बिना मदरसों में दाखिला लेने वाले सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को बाहर निकालकर मौलिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। आयोग ने कहा, संविधान का अनुच्छेद 28 नाबालिगों के मामले में माता-पिता या अभिभावकों की सहमति के बिना धार्मिक शिक्षा लागू करने पर रोक लगाता है।

आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मदरसों में 9,446 गैर-मुस्लिम बच्चे है। इसके बाद राजस्थान (3,103), छत्तीसगढ़ (2,159), बिहार (69) और उत्तराखंड (42) का स्थान आता है। कुल मिलाकर लगभग 14,819 गैर मुस्लिम बच्चे मदरसे में पढ़ रहे हैं । ओडिशा में मदरसा बोर्ड ने कहा कि वहां कोई गैर-मुस्लिम छात्र नहीं है। उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल ने आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।

पूर्व सांसद नवनीत राणा को गैंगरेप की धमकी

- आरोपी आमिर ने फोन नंबर भी बताया
- लिखा- पाकिस्तान जिंदाबाद; 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी

अमरावती. महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में नवनीत को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही कहा कि उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा।

पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। उसने ₹10 करोड़ की फिरौती भी मांगी है। साथ ही पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा।

आरोपी ने लेटर में अपना फोन नंबर भी लिखा है।

लेटर में नवनीत राणा को लेकर कई आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही उनके पति रवि राणा के लिए अभद्र बातें लिखी गईं। रवि राणा के निजी सहायक विनोद गुहे ने राजापेठ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

खड़गे के बेटे ने कर्नाटक सरकार को जमीन लौटाई

- ट्रस्ट के लिए दी गई थी 5 एकड़ जमीन
- MUDA स्कैम की जांच के बीच उठाया कदम

बेंगलूरु. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल एम खड़गे ने कर्नाटक सरकार को पांच एकड़ जमीन लौटाने का फैसला किया है, जो खड़गे परिवार के सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई थी। राहुल ने यह कदम मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MUDA) स्कैम की जांच के बीच उठाया है।

यह पांच एकड़ जमीन राहुल खड़गे को कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरियास डेवलपमेंट बोर्ड (KIADB) की तरफ से बागालुर के हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क में हार्डवेयर सेक्टर में दी गई थी। उन्होंने यहां पर मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर सेटअप करने का प्लान बनाया था।

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बी. एम. ने 30 सितंबर को MUDA को 14 प्लॉट वापस करने की बात कही थी। इसे लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि मेरे खिलाफ चल रहे राजनीतिक षड्यंत्र से आहत होकर मेरी पत्नी ने प्लॉट वापस करने का फैसला लिया है।

घर वापस लौटने का समय आ गया

कश्मीरी पंडितों पर फारूक अब्दुल्ला ने कह दी बड़ी बात

जम्मू. नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला ने शनिवार को कश्मीरी पंड़ितों की वापसी का आह्वान किया। चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद एनसी और कांग्रेस गठबंधन ने शुक्रवार को पार्टी बनाने का दावा किया। इस बारे में मीडिया से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के सवाल पर कहा कि वह और उनकी पार्टी और वह कश्मीरी पंडितों की वापसी का इंतजार कर रहे हैं, जिन्हें 1990 के दशक की शुरुआत में पलायन के दौरान अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हमारे जो भाई-बहन यहां से चले गए हैं, वे घर वापस आएंगे। अब समय आ गया है, वे अपने घर लौट आएं। अब्दुल्ला ने अपनी पार्टी की नीति बताते हुए कहा कि हमारी पार्टी हिंदु और मुसलमानों के बीच में भेदभाव नहीं करती। हम सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं। हम केवल कश्मीरी पंड़ितों के बारे में ही नहीं बल्कि जम्मू के लोगों के बारे में भी सोचते हैं। कश्मीरी पंडितों को घाटी में वापस लौटने का निमंत्रण देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर में सभी के लिए जगह है।

हमारी पार्टी कश्मीरी पंडितों की दुश्मन नहीं- फारुख अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीरी पंडितों को कश्मीर लौटना चाहिए और अपने घरों की देखभाल करनी चाहिए और उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उनकी वापसी के लिए सभी व्यवस्थाएं और पहल करेगी। अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे लगता है कि उनकी वापसी काफी समय पहले हो जानी चाहिए थी, उन्हें बहुत पहले ही वापस आकर अपने घरों में रहना चाहिए था। हमें उनके दुश्मन नहीं है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि जब वह यहां आए तो उन्हें पता चले कि हम उनके दुश्मन नहीं हैं। हम सभी भारतीय हैं और हम किसी को भी अपने साथ लेने के लिए तैयार हैं।

खालिस्तानियों पर क्यों नहीं लेते एक्शन?

- भारत ने कनाडा से मांगे निज्जर की हत्या के सबूत

नई दिल्ली. खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के साथ चल रहे तनाव के बीच भारत ने जस्टिन ट्रूडो की सरकार को कड़ा संदेश दिया है। भारत ने कनाडा से कहा है कि प्रधानमंत्री ट्रूडो इस तरह से बेबुनियाद आरोप मोदी सरकार पर नहीं लगा सकते। उन्हें निज्जर की हत्या से संबंधित पुख्ता सबूत पेश करने होंगे। भारत ने कहा है कि राजनीतिक लाभ के लिए वह अपनी जांच एजेंसियों को आदेश देना बंद करें।

भारत ने ट्रूडो सरकार के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से कहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री के आरोपों और जांच एजेंसी आरसीएमपी की अब तक की रिपोर्ट में बहुत भिन्नता है। ऐसे में उन्हें अपने राजनीतिक लाभ के लिए एजेंसी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बता दें कि 11 अक्टूबर को आसियान सम्मेलन से इतर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जस्टिन ट्रूडो की मुलाकात हुई थी। ट्रूडो ने अपनी मीडिया को बताया था कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी से बात हुई। वहीं इस मुलाकात में दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाया था।

बता दें कि 18 जून 2023 को निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हैं। जस्टिन ट्रूडो कई बार भारत पर निराधार आरोप लगा चुके हैं। वहीं कनाडा में अगले ही साल आम चुनाव भी होने जा रहे हैं। जस्टिन ट्रूडो वैसे तो पहले से ही खालिस्तानियों के हिमायती रहे हैं। लेकिन चुनाव और वोट बैंक को देखते हुए वह और ज्यादा खालिस्तानियों से हमदर्दी दिखाने लगे हैं।

15 दिन पहले जान से मारने की मिली धमकी

- बाबा सिद्दीकी को Y कैटेगरी की दी गई थी सुरक्षा

मुंबई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर कुछ और जानकारियां सामने आई हैं। पता चला है कि 15 दिन पहले उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। पुलिस के मुताबिक, इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए सिद्दीकी की सुरक्षा वाई श्रेणी तक बढ़ा दी गई। इसके बावजूद, हमलावर उन्हें अपना निशाना बनाने में सफल रहे। इस बात को लेकर अब सिक्योरिटी लेवल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मालूम हो कि शनिवार रात महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर में गोली मारी गई। वारदात के वक्त वह अपने विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर निकल रहे थे। हमले के तुरंत बाद गोली लगने से घायल बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

बाबा सिद्दीकी हत्या पर अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा, 'यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मुंबई में कई सालों से किसी भी राजनीतिक नेता की हत्या नहीं हुई थी। सबसे

बड़ा सवाल यह है कि हत्या क्यों हुई और किसने की? इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2 संदिग्धों को भीड़ ने मौके पर ही पकड़ लिया और मुझे पता चला कि तीसरा हमलावर मौके से भाग गया। ऐसा लगता है कि 10 से 15 दिन पहले बाबा सिद्दीकी को धमकियां दी गई थीं और इसलिए पुलिस ने उन्हें सुरक्षा दी थी। अब मुझे नहीं पता कि उन धमकियों का कल की घटना से कोई संबंध है या नहीं। मुझे यकीन है कि मुंबई क्राइम ब्रांच जरूर पता लगाएगी। मुझे नहीं लगता कि इसमें राज्य मशीनरी की कोई विफलता है।'

'काम के लिए पहले से हमलावरों को मिले थे पैसे'

इस बीच, बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है। अपराध पंजीकरण संख्या 589/2024, भारतीय न्याय संहिता (**BNS**) की धारा 103(1), 109, 125 और 3(5) के साथ ही आर्म्स एक्ट की धारा 3, 25, 5, 27 और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37 व 137 के तहत मामला दर्ज हुआ। मुंबई क्राइम ब्रांच ने यह जानकारी दी। फिलहाल, क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने बताया, 'आरोपियों को इस काम के लिए पहले से पैसे दिए गए थे। उन्हें कुछ दिन पहले ही हथियारों की डिलीवरी मिली थी। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने पिछले 8 घंटों से आरोपियों से पूछताछ की है।' वहीं, क्राइम ब्रांच के **SCP** विशाल ठाकुर डिटेक्शन क्राइम ब्रांच यूनिट 3 के दफ्तर पहुंच गए हैं, जहां आरोपियों से पूछताछ चल रही है।

गुजरात के मेहसाणा में हादसा, 9 मजदूरों की मौत

- एक को जिंदा निकाला
- फैक्ट्री में टैंक खोदते वक्त मिट्टी गिरी

मेहसाणा. गुजरात के मेहसाणा जिले में शनिवार को टैंक खोद रहे मजदूरों पर मिट्टी गिर गई। हादसे में 9 मजदूरों की मौत हो गई। 19 साल के लड़के को जिंदा बचा लिया गया। हादसा मेहसाणा से लगभग 37 किमी दूर जासलपुर गांव के पास हुआ।

पुलिस ने बताया कि जासलपुर गांव में एक फैक्ट्री के लिए कई मजदूर अंडरग्राउंड टैंक खोद रहे थे, तभी मिट्टी धंस गई। सभी 9 शव बरामद कर लिए गए हैं।

स्टील आईनॉक्स स्टेनलेस प्राइवेट लिमिटेड में जब मजदूर टैंक खोद रहे थे, तब अचानक मिट्टी गिरी। हादसे के बाद जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाई गई। मौके पर 5 एम्बुलेंस, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची।

भारत ने चौकों-छक्कों से 232 रन बनाए

- टी-20 में 297 अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया
- भारतीय विकेटकीपर की पहली सेंचुरी

भारत और बांग्लादेश के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 में कई रिकॉर्ड्स बने। भारतीय टीम ने पारी में 22 छक्के और 25 चौके लगाकर 232 रन बनाए, जो बाउंड्री के सहारे एक पारी में बने सबसे ज्यादा रन है। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 297 रन बनाए, यह टेस्ट प्लेइंग टीमों में हाईएस्ट टी-20 स्कोर भी रहा। यह भारत का भी हाईएस्ट टी-20 स्कोर भी है। संजू सैमसन ने 40 गेंदों पर सेंचुरी लगाई, वह टी-20 में सेंचुरी लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बने। यह भारत के लिए दूसरी फास्टेस्ट सेंचुरी भी रही। भारत ने पावरप्ले में अपना बेस्ट स्कोर भी बनाया।

भारत ने अपना बेस्ट टी-20 स्कोर बनाया

टीम इंडिया ने उप्पल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी और 6 विकेट खोकर 297 रन बना दिए। यह भारत का बेस्ट टी-20 स्कोर है, इससे पहले टीम ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 260 रन बनाए थे। यह टेस्ट प्लेइंग टीमों में भी बेस्ट स्कोर रहा, भारत के बाद अफगानिस्तान ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 278 रन का स्कोर बना रखा है। टॉप टीमों में भी यह बेस्ट स्कोर रहा, इंग्लैंड ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ 267 रन बनाए थे। टी-20 में हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड नेपाल के नाम है, टीम ने 2023 में मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए थे।

संजू सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर

भारतीय टीम के ओपनर विकेटकीपर संजू सैमसन ने 40 ही गेंद पर शतक लगा दिया। वे 47 गेंद पर 111 रन बनाकर आउट हुए, इस पारी में 11 चौके और 8 सिक्स शामिल रहे। वह टी-20 में सेंचुरी लगाने वाले भारत के पहले ही विकेटकीपर बने। इससे पहले 2022 में ईशान किशन ने श्रीलंका के खिलाफ 89 रन का बेस्ट स्कोर बनाया था।

इंटरलॉकिंग सिस्टम में खामी की आशंका

एक्सपर्ट बोले- इस खामी के बारे में रेलवे में सब जानते हैं, कोई स्वीकार नहीं करता

नई दिल्ली. तमिलनाडु में कवरपेट्टई स्टेशन पर यात्री ट्रेन की मालगाड़ी से टक्कर मामले में रेलवे ने जांच का आदेश दिया है। रेलवे सुरक्षा के एक अधिकारी ने शनिवार को दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, विशेषज्ञों ने इसे बालासोर-2 बताते हुए इंटरलॉकिंग प्रोसेस में खराबी से हादसे की आशंका जताई है।

उत्तर रेलवे में मुख्य सिग्नल एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर के पद से रिटायर हुए के.पी. आर्य ने कहा, 'ट्रेन इंटरलॉकिंग पॉइंट पर पटरी से उतर गई। यह इंटरलॉकिंग प्रोसेस में इंजीनियरिंग की खामी है, जिसके बारे में रेलवे में सभी जानते हैं, पर कोई आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं करता।'

वहीं, इंडियन रेलवे लोको रनिंगमैन ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी कहा, 'बालासोर में सिग्नल मरम्मत का काम खत्म होने के तुरंत बाद

तमिलनाडु रेल हादसा

टक्कर हुई थी। यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ था।' उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि ट्रैक के कुछ जंग लगने के कारण सिग्नल और इंटरलॉकिंग का कनेक्शन टूट गया होगा।'

दक्षिण रेलवे के ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कुमारेसन ने भी कहा, 'सिग्नलिंग प्रोसेस में आ रही खामियों को दूर करना चाहिए।' दरअसल, शुक्रवार रात मैसूर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस को मुख्य लाइन से गुजरने के लिए हरी झंडी दी गई थी। यह एक लूप लाइन पर चली गई, जिस पर पहले से ही मालगाड़ी खड़ी थी। हादसे में 19 यात्री घायल हुए थे। वहीं, बालासोर में 2 जून, 2023 को ऐसे ही हादसे में 293 लोग मारे गए थे।

रिस्टोरेशन का काम तीसरे दिन भी जारी

11 अक्टूबर की रात हुए ट्रेन हादसे में 1360 पैसेंजर्स सवार थे। हादसे के बाद फंसे हुए पैसेंजर्स को एक स्पेशल ट्रेन से उनकी आगे की यात्रा के लिए रवाना कर दिया गया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि सरकार तेजी से राहत और बचाव कार्य में जुटी। आज यानी 13 अक्टूबर की सुबह तक लाइन के रेस्टोरेशन का काम पूरा हो जाएगा।

संक्षेप...

रिक्शा चालक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. आटोरिक्शा में यात्री को बिठाने में हुए विवाद में एक रिक्शा चालक की धारदार हथियार से नृशंस हत्या का संगीन मामला राज नोली पाइप लाइन मार्ग पर घटित हुआ है.कोन गांव पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी को धर दबोच कर कानून के हवाले किया है.

मिली जानकारी के अनुसार पिंपलास गांव निवासी रिक्शा चालक दिनेश गणपत भोईर (45) का 4 दिन पूर्व माणकोली नाका पर अपने रिक्शा में सवारी बैठाने की खातिर रिक्शा चालक आजम शेख से झगड़ा हो गया था.झगड़े को वहां मौजूद अन्य रिक्शा चालकों ने समझा बुझाकर सुलह करा दिया था लेकिन रिक्शा चालक आजम शेख झगड़े से बेहद नाराज था.शुक्रवार शाम को आजम शेख हुए झगड़े का बदला लेने के लिए दिनेश के रिक्शा में सवारी की तरह बैठकर पाइप लाइन तक आया और सुनसान जगह देखकर रिक्शे को रोका और जब तक रिक्शा चालक दिनेश कुछ समझ पाता पास लिए धारदार हथियार से हमला कर बुरी तरह दिनेश की हत्या कर फरार हो गया.कोन गांव पुलिस ने कड़ी मेहनत कर सारी जानकारी जुटाई और आरोपी दिनेश को गिरफ्तार कर लिया है.

बेवफाई के शक में पत्नी की हत्या

ठाणे. ठाणे से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक व्यक्ति ने बेवफाई के शक में पत्नी की हत्या कर दी। फिलहाल पत्नी की हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के संबंध में जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी। जिसके मुताबिक ठाणे शहर के एक 29 वर्षीय व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. उसने अपनी पत्नी पर बेवफाई का शक जताया था. सिद्धेश्वर तालाब इलाके के निवासी भास्कर नारायण सदावर्ते ने 9 अक्टूबर को अपनी पत्नी प्रमिला (27) की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी के हत्या की जिम्मेदारी

'जो सलमान खान की मदद करेगा, वो...'

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। हत्याकांड के कुछ घंटे बाद कुख्यात बिश्नोई गिरोह की ओर से सोशल मीडिया एक पोस्ट किया गया। फिलहाल, केंद्रीय एजेंसियां इसकी सत्यता को लेकर जांच कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह पोस्ट शुबू लोंकर के फेसबुक अकाउंट से किया गया, जो बिश्नोई गिरोह का सहयोगी शुभम रामेश्वर लोंकर हो सकता है। शुभम लोंकर को इसी साल अवैध हथियार रखने के आरोप में महाराष्ट्र के अकोला से गिरफ्तार किया गया था। माना जाता है कि बिश्नोई गैंग से उसके मजबूत संबंध हैं। पुलिस ने जब शुभम से पूछताछ की तो उसने वीडियो कॉल पर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई से बातचीत और उस कुख्यात गिरोह से जुड़ने की बात कबूल की थी।

शुबू लोंकर के पोस्ट में लिखा गया, 'सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे पर तुमने हमारे भाई का नुकसान करवाया। आज जो बाबा सिद्दीकी के शराफत के पुल्ल बंद रहे हैं, वो एक टाइम में दाऊद के साथ मकोका एक्ट में था। इसके मरने का कारण अनुज थापन और दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था। हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, पर जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की हेल्प करेगा अपना हिसाब-किताब लगाके रखना। हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा तो हम प्रतिक्रिया जरूर देंगे। हमने पहले वार कभी नहीं किया। जय श्री राम, जय भारत।'

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने 2 कथित हमलावरों को गिरफ्तार किया है जिनकी पहचान हरियाणा निवासी 23 वर्षीय गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश निवासी 19 वर्षीय धर्मराज राजेश कश्यप के रूप में की गई है। एक अन्य आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की हत्या समेत संबंधित धाराओं, शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम को सिद्दीकी की हत्या की जांच में मदद करने के वास्ते मुंबई भेजने की तैयारी है।

हत्या की विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू

66 वर्षीय एनसीपी नेता की कल रात मुंबई के बांद्रा पूर्व में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। इसमें सुपारी लेकर हत्या, कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या एक बस्ती की पुनर्वास परियोजना को लेकर मिली धमकी के पहलू भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा में तीन बार बांद्रा (पश्चिम) सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत किए जाने का संदेह है।

काम की गुणवत्ता देखने पर दिये गए निधी से समाधान मिलता है-मुख्यमंत्री

■ ठाणे में विविध परियोजनाओं का किया उद्घाटन

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत तमाम परियोजनाओं के लिए निधी का आबंटन हुआ था ।लेकिन आज काम को प्रत्यक्ष रूप से देखकर काम की गुणवत्ता को देख समाधान लग रहा है यह बात मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों से शुक्रवार को देर रात आनंद योग कुटीर, हँगिंग गार्डन, रघुनाथ नगर, मातोश्री गंगूबाई संभाजी शिंदे अस्पताल का विस्तारीकरण किसन नगर, स्वर्गीय इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक अस्पताल नलपाडा, हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना (5 जगह), नागरी आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर (6जगह), मातोश्री गंगूबाई संभाजी शिंदे वरिष्ठ नंदनवन हजुरी, धर्मवीर आनंद दिघे वाचनालय व अभ्यासिका, कशिश पार्क, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर घाट उपवन, ग्रीन यात्रा मदत से जेल तालाब पुनरुद्धार सेंट्रल मैदान, ओएनजीसी से तालाब साफसफाई के लिए मिला यांत्रिक बोट, राम मंदिर तालाब व मोघरपाडा तालाब येथे संगीतमय कारंजे विकास परियोजना का उद्घाटन व रहेजा के पास गार्डन का भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री होने के बाद और उसके पहले नगरविकास मंत्री था लेकिन अब नियम में सुधार कर अधिक से अधिक योजनाओं को नागरिकों तक पहुचाने का प्रयत्न किया हूं यह बात कहा।

योजना का लाभ मिले इसके लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से 5 करोड़ लोगों को लाभ मिला है यह बात मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा ।इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, विधायक प्रताप सरनाईक,पूर्व विधायक रवींद्र फाटक,पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे, पूर्व नगरसेवक राम रेपाले, एकनाथ भोईर, विकास रेपाले, नम्रता भोसले, मीनल संख्ये, परिशा सरनाईक, गुरुमुख सिंग, आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, प्रशांत रोडे, नगर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा, उपायुक्त जी. जी. गोदेपूरे, उमेश बिरारी आदि उपस्थित थे.

राकांपा कार्यकर्ताओं ने किया शिवसेना में प्रवेश

ठाणे. शहर में स्थित सिध्देश्वर तालाब परिसर के शरद पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता नाराज होकर टेंभी नाका में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों से शिवसेना का झंडा पकड़कर शामिल हो गये। राकांपा के शहर जिला उपाध्यक्ष प्रल्हाद किसन पाटील ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ में आज शिवसेना का दामन थाम लिया।

इनके साथ में कई मंडल जिसमें साई सेवा मित्र मंडल, एकता मित्र मंडल, सहकार मित्र मंडल, सिद्धेश्वर फेडरेशन व सिद्धेश्वर परिसर के राकांपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विकास कार्य को लेकर शिवसेना का भगवा झंडा हाथ में लिया। शिवसेना के ठाणे जिला संपर्कप्रमुख हेमंत पवार, शिवसेने के पूर्व नगरसेवक राजेश मोरे के उपस्थिति में शिवसेना पार्टी में शामिल हुए ।इस समय वैभव मोहन पेंडणेकर , शाखाप्रमुख चंद्रकांत (गोटया)सावंत, उपविभाग प्रमुख, समीर परब, उपशहर प्रमुख कैलास राख, शाखाप्रमुख जयवंत चव्हाण, उपविभाग प्रमुख विनोद पाटेकर आदि उपस्थित थे।

मार्कंडेय महामुनी वाचनालय समिती द्वारा बच्चों को शैक्षणिक मदद

भिवंडी. पद्मानगर स्थित श्री मार्कंडेय महामुनी वाचनालय समिति व बालाजी व्यायाम शाला की तरफ से भारतीय जनता पार्टी भिवंडी पूर्व विधानसभा निवडणूक प्रमुख,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष शेट्टी के जन्मदिन अवसर पर सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में गरीब,जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन एवम 10 छात्रों को शैक्षणिक वर्ष के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया. उक्त अवसर पर बाले श्रीनिवास,आडेप श्रीनिवास, ईश्वर पामु, सत्यनारायण मंचिकटला व क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक भारी तादाद में उपस्थित थे. कार्यक्रम मौके पर नवरात्रि निमित्त महिलाओं की खातिर हलदी कुंकू का भी आयोजन किया गया जिसमे भारी संख्या में महिलाएं सहभागी हुईं.

बच्चे की चाहत में नवजात का अपहरण

■ 3 आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे शहर में पांच महीने के एक नवजात के अपहरण की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने तत्वरित कार्रवाई करते हुए अपहरण के कुछ ही घंटों के भीतर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नवजात का अपहरण ठाणे शहर के राबोडी पुल के नीचे से किया गया, जहां वो शुक्रवार देर रात अपनी मां के साथ सो रहा था। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में मौजूद सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके साथ ही तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई और बच्चे को बचा लिया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान जावेद अजमत अली न्हावी (35), जयश्री याकूब नाइक (45) और सुरेखा राजेश खंडागले (34) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जावेद अजमत अली न्हावी ने कुछ साल पहले अपनी पत्नी और बच्चे को खो दिया था। वो एक महिला के साथ रहता था, जो विधवा थी, उसने बच्चे की चाहत में नवजात का अहरण किया।

एक्टिवा से नियंत्रण खोने के बाद 61 वर्षीय व्यक्ति की मौत

मुंबई. विक्रोली के पास ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर एक्टिवा स्कूटर से नियंत्रण खोने के बाद मुलुंड के 61 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान मुलुंड पश्चिम के वीणा नगर निवासी मनोज सोनाघेला के रूप में हुई है। विक्रोली पुलिस के अनुसार, उन्हें शुक्रवार दोपहर ईस्टर्न रीजनल डिवीजन कंट्रोल रूम द्वारा ऐरोली ब्रिज के पास हुई दुर्घटना की सूचना दी गई।

घायलों को विक्रोली के गोदरेज मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। उपचार के प्रयासों के बावजूद, अत्यधिक रक्त की कमी के कारण सोनाघेला की मृत्यु हो गई और उन्हें रात 12:18 बजे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के परिवार को सूचित किया, जबकि एक अन्य टीम ने दुर्घटना स्थल पर जांच पंचनामा किया।

मुंबई. अंधेरी पूर्व जेबी नगर स्थित शेठ पीरामल गार्डन में आयोजित नवकुण्डिय हवनात्मक रुद्रचंडी महायज्ञ का आयोजन जगदीश शास्त्री जी के मार्गदर्शन में किया गया। कन्या पूजन में सैकड़ों बच्चियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, समाजसेवी अनिल अग्रवाल, बाबू बत्तेली, जगदीप अरोरा, निकुंज अग्रवाल, रत्नाकर शेट्टी, शिवाजी लोंढे उपस्थित थे।

माँ के साथ में नवजात शिशु का बचा प्राण

■ मर्जिया पठान ने दी मानवता की मिसाल

ठाणे. आज इंसान इतना बदल गया है कि इनसानियत को ही भूल गया है ।वहीं एक घटना मुंब्रा में घटी एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा बढ़ गई दर्द से चीखना चिल्लाने के बाद भी उपस्थित लोगों ने अनदेखा कर दिया ।लेकिन यह बात सामाजिक कार्यकर्ता मर्जिया शानू पठान को पता चलते ही तत्काल महिला को लेकर अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करा मानवता की मशाल कायम कर दी ।मुंब्रा की रहिवासी रोशनी काले गर्भवती महिला मित्तल रोड परिसर में किसी काम को लेकर गई थी अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी और वह सड़क पर गिर गई ।लेकिन आस पास के लोगों ने अनदेखा कर दिया और किसी ने भी मदद के लिए अपना हाथ नहीं बढ़ाया ।वहीं अमृत नगर में अपने कार्यकाल में बैठी मर्जिया शानू पठान को यह पता चलते ही स्वयं महिला को पकड़कर गाड़ी में बैठाकर कौशा अस्पताल में भर्ती कराया ।डॉक्टरों के प्रयास से रोशनी को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई ।वही लड़की के परिजन से मर्जिया ने बच्चे का नाम शिवा रखने के लिए विनती की।

मां के बाद पेद्दाम्मा रेखा से लेती हूं सलाह -जाह्नवी

रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही अपनी एक्टिंग से देश भर के लोगों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी कपूर ने रेखा और श्रीदेवी के रिश्ते के बारे में बात की। साथ ही बताया कि श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा ही उन्हें सलाह देती हैं।

हाल ही में फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मां ने जब पहली बार हिंदी फिल्मों में कदम रखा था। उस समय वो खुद को बड़ा ही खोया हुआ महसूस करती थीं। ऐसे में रेखा ने उनकी मदद की। उनका रिश्ता बेहद खास रहा। दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं, ताकि बच्चे उनकी बातों को ना समझें।'

जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मेरे जन्म के बाद मां परिवार पर ध्यान देने लगीं और फिल्मी दुनिया से कुछ वक्त के लिए दूरी बना ली थी। उस दौरान उन दोनों का कोई कॉन्टैक्ट नहीं रहा। लेकिन जब रेखा जी मेरे घर लंच पर आईं, तब मैं लगभग 14 साल की थी। मैंने उनका स्वागत किया, और उन्होंने मुझे कहा कि मुझे उन्हें पेद्दाम्मा कहना चाहिए। तेलुगु में इसका मतलब बड़ी मां है।'

जाह्नवी कपूर ने आगे कहा, 'अब मां हमारे बीच में नहीं हैं। ऐसे में मुझे पेद्दाम्मा की मंजूरी जरूरी लगती है। वह मेरे और मेरे काम के बारे में क्या सोचती हैं, यह मेरे लिए बहुत जरूरी है।'

वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो, जाह्नवी कपूर को आखिरी बार तेलुगु फिल्म 'देवराः पार्ट 1' में देखा गया था। इसके बाद जाह्नवी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। ये एक लव स्टोरी है। इसमें वरुण और जान्हवी के अलावा रोहित सराफ, मनीष पॉल, सान्या मल्होत्रा और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में है।

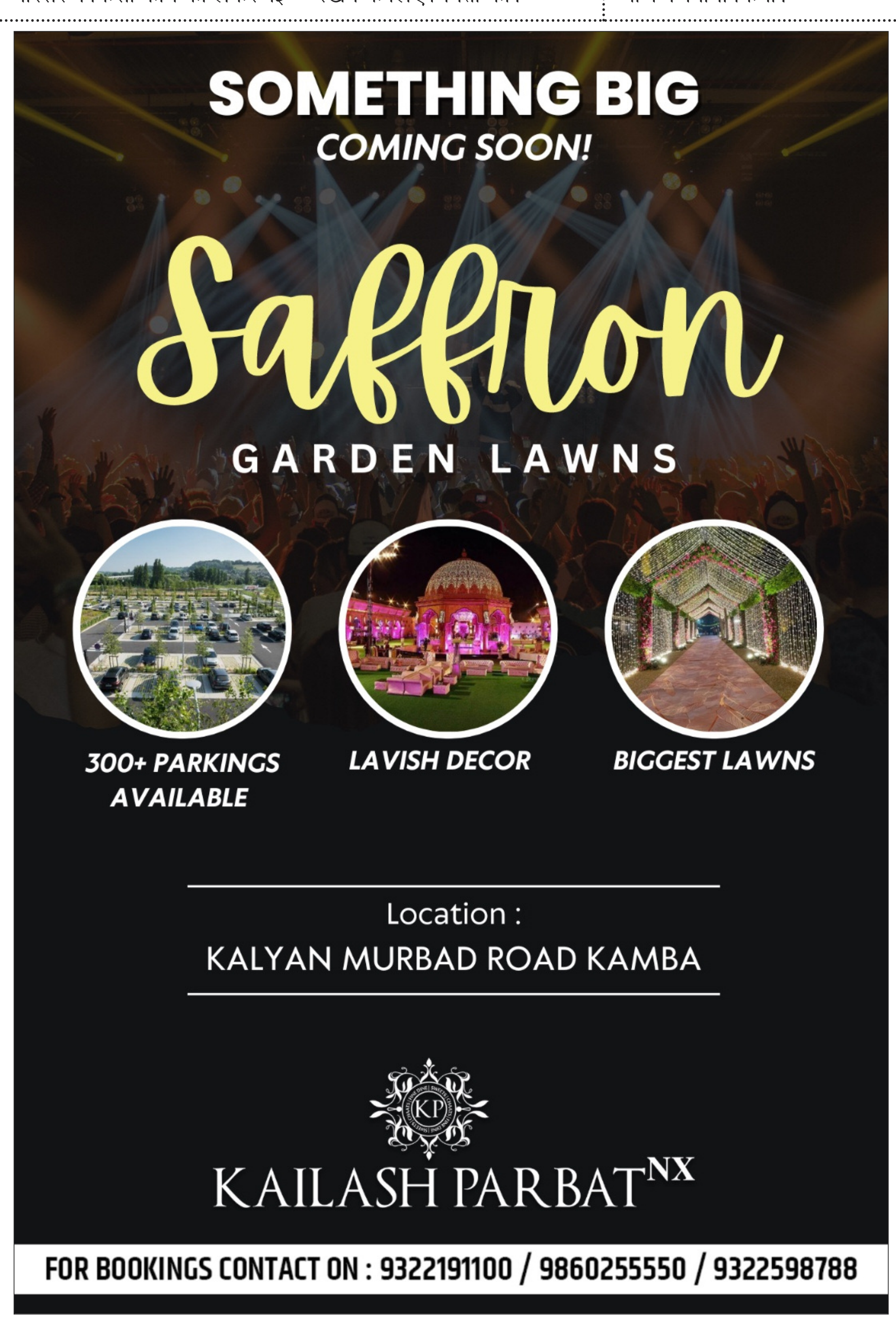

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099